अगले वर्ष 3 नए बीटेक कार्यक्रम देगा आईआईटी इंदौर

आईआईटी इंदौर ने अपनी स्थापना के बाद से एक लंबा सफर तय किया है।



2009 में 3 बीटेक पाठयक्रमों से शुरू होकर, आज की तारीख में यूजी, पीजी और पीएचडी में 45 पाठयक्रमों की पेशकश की जा रही हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, पाठयक्रम को लगातार संशोधित किया जा रहा हैं और सीखने की कई नई अवधारणाओं को पेश किया जा रहा हैं, जैसे कि स्वयं करें, परियोजना-केंद्रित शिक्षा, और एक क्रेडिट बैंक, जहां छात्र अपनी शैक्षणिक यात्रा के दौरान क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए, कई नए

प्रोफेसर सुहास एस. जोशी क्रीडेट आजत कर संकर्ण हो 500 में 700 से हैं, शिक्षा को अवरेक्टर, आईआईटी, इंबेर यूजी और पीजी कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं, शिक्षा को समग्र प्रकृति बनाने के लिए नए पाठयक्रम तैयार किए जा रहे हैं और शिक्षण और सीखने के नवीन तरीके पेश किए जा रहे हैं। हाल ही में सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। 'जल और जलवायु परिवर्तन पर तकनीकी नवाचार, और बौद्धिक संपदा' में नीति अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए भारत सरकार।



रतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर के साथ डेटा विज्ञान और प्रबंधन में एक संयुक्त एमएस डिग्री भी प्रदान की जाती हैं जो एक ऑनलाइन कार्यक्रम है और बहुत लोकप्रिय हो रहा है। अगले शैक्षणिक वर्ष तक केमिकल इंजीनियरिंग, गणित और कंप्यूटिंग और इंजीनियरिंग भौतिकी में 3 नए बीटेक कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। क्रेडिट बैंक भी प्रदान किया जा रहा हैं और सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों, इंटर्नेशिप और अनुसंधान परियोजनाओं के लिए क्रेडिट प्रदान कर रहे हैं।

क्लस्टर स्थापित करने की योजना : संकाय सदस्य वीएलएसआई डिजाइन, निर्माण और अनुप्रयोग और ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स में एमटेक पाठ्यक्रम विकसित करने पर भी काम कर रहे हैं। यह सरकार के अनुरूप है। भारत सरकार ने बदलते वैश्विक

परिदूश्य और मेक इन इंडिया विजन के तहत चिप निर्माण के लिए मध्य प्रदेश में एक इलेक्टॉनिक्स क्लस्टर स्थापित करने की योजना बनाई है।

रक्त कैंसर की दवा पर एक नई तकनीक परीक्षण अंतिम चरण में : संपीडित रंगीन द्वि-स्तरित ईटों पर एक तकनीक स्थानांतरित की गई है और अभी तक 'रक्त कैंसर के उपचार में सुधार के लिए एम-एएसपीएआर दवा' पर एक और नई तकनीक परीक्षण के अंतिम चरण में है। साथ ही, 80 से अधिक प्रौद्योगिकियां विकास के विभिन्न चरणों में हैं और व्यावसायीकरण की ओर बढ़ रही हैं।

भारत सरकार ने दी मंजूरी : हाल ही में, सरकार। भारत सरकार ने आईआईटी इंदौर में 'जय प्रकाश नारायण नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन ह्युमैनिटीज' की स्थापना को मंजूरी दे दी है। यह

मानविकी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग पर काम करने को दर्शाता है।

पड़ोसी पहले : पड़ोसियों की पहली नीति का पालन किया जा रहा हैं। अपने पड़ोस में निर्देशों और उद्योगों से जुड़ने के लिए कई पहल की हैं। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी (आरआरकैट), इंदौर पहुंचे हैं। कई शोध सहयोगों के अलावा, हम एक एमटेक डिजाइन कर रहे हैं। 'ऑफ्टिक्स एंड लेजर टेक्नोलॉजी' पर कार्यक्रम एक साथ पेश करेंगे।

दो नए पाठ्यक्रम : आईआईटी इंदौर में सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी ने आदिवासी आजीविका के लिए 'टीआई टीएलआई' टेक्नो लॉजिकल इनोवेशन नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत छात्रों के लिए दो नए पाठ्यक्रम पेश किए हैं, जिनका शीर्षक 'ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास के लिए विसर्जन' है, और 'ग्रामीण अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन सोच'। इन दोनों पाठ्यक्रमों में ग्रामीण आबादी की जरूरतों को समझने और उनके सामने आने वाली समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिए क्षेत्र का दौरा शामिल है।

